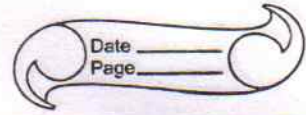


वी.ए. I



श्वसन का महत्व →

श्वसन क्रिया द्वारा शरीर के प्रत्येक क्लेब एवं कोशिका को ऑक्सीजन प्राप्त होती है। फेफड़ों में लाल रक्त कणों द्वारा ऑक्सीजन शोषित होकर रक्त द्वारा शरीर के प्रत्येक क्लेब पहुँचायी जाती है। जब भोजन का पाचन होता है तब भोजन रस को रक्त द्वारा सप्रस्त पेशियाँ को पहुँचाया जाता है।

कोशिका में भोजन रस का ऑक्सीजन से सम्पर्क होने पर भोजन रस का ज्वलन होता है। श्वसन के अंग

श्वसन में निम्नलिखित अंग भाग लेते हैं।

- 1- नासिका
- 2- ग्रासनी
- 3- स्वर यंत्र
- 4- फेफड़े
- 5- श्वास नाल
- 6- श्वास वहिनी

एल्विओलर नलिकाएँ तथा एल्विओलाई /

फेफड़ों का कार्य तथा गैसी का आदन-प्रदान →

फेफड़ों का कार्य ऑक्सीजन तथा कार्बन-डाई ऑक्साइड का आदन प्रदान कर रक्त का शुद्धिकरण है। इसे रक्त का ऑक्सीजनीकरण कहते हैं।

रक्त परिसंचरण क्रिया द्वारा रक्त शरीर के प्रत्येक कोशिका में पहुँचता है। जहाँ ज्वलन क्रिया के फलस्वरूप ऊर्जा तथा कार्बन-डाई-ऑक्साइड बनती है इस कार्बन-डाई-ऑक्साइड से रक्त अशुद्ध होता है।

परिवहन - तंत्र →

रक्त परिवहन तंत्र मानव-शरीर में नलियों का जैला हुआ एक-जटिल जाल का है। इसकी प्रत्येक नली एक दूसरे से जुड़ी हुई है। बाहर की वायु से कोई सम्पर्क स्थापित नहीं रहता है। इसके जुड़ने से एक बन्द चक्र बन जाता है।

हृदय तथा रक्त वाहिनियाँ →

मानव शरीर के रक्त परिवहन तंत्र के अंतर्गत निम्नलिखित अंग भाग लेते हैं।

- 1- हृदय
- 2- धमनियाँ
- 3- शिरारण
- 4- कोशिकाएँ

1- हृदय की रचना एवं कार्य

(i) हृदय → (Heart) यह रन्ध्रों से बनी हुई पीली रन्ध्र होती है।